An – मरियम का गीत लूका १: ४६-५६ | 1

– Save This Page as a PDF–

मरियम का गीत

लूका १: ४६-५६

खोदना: इस गीत में मैरी किस लिए परमेश्वर की महिमा करती है? पद ५१-५३ में वह क्या विरोधाभास करती है? ये कैसे ADONAI के बारे में उसकी भावनाओं को दर्शाते हैं? अपने बारे में? अभिमानी, शासक और धनी कौन हैं, जिनके पराभव का वह उत्सव मनाती है? यीशु इस गीत के विषयों को कैसे पूरा करेगा? तीन महीने की इस यात्रा से एक डायरी क्या प्रकट करेगी?

प्रतिबिंबित: मैरी के गीत में मनाए गए ADONAI की विशेषताओं में से आप किसकी सबसे अधिक सराहना करते हैं? आपको सबसे ज्यादा कौन सी चुनौती देता है? क्यों? आपका जीवन न्याय, दया और छुटकारे के लिए परमेश्वर की चिंता को कैसे दर्शाता है? क्या यहोवा आपको अपना विनम्र सेवक या अभिमानी, धनी शासक मानेगा? क्यों? यदि आप आज एक गीत लिखना चाहते हैं, तो आप किन शब्दों और वाक्यांशों का उपयोग करना चाहेंगे?

स्वर्गदूत गेब्रियल के उससे बात करने के बाद, मैरी, या हिब्रू मिरियम के समकक्ष, अपने रिश्तेदार एलिजाबेथ से मिलने गई थी। उसका रहस्य, शायद ही खुद इस पर विश्वास करना था कि वह मसीहा को जन्म देगी। जब एलिजाबेथ ने मरियम का अभिवादन सुना, तो अचानक बच्चा उसके गर्भ में उछल पड़ा, और एलीशेवा पवित्र आत्मा से भर गया। नतीजतन, एलिजाबेथ चिल्लाया: आप महिलाओं में धन्य हैं। दूसरे शब्दों में, अभिषिक्त जन का जन्म निश्चित था। मरियम अपने ट्रैक्ट में रुक गई होगी। वह शायद ही इस पर विश्वास कर सके। वह बोल नहीं सकती थी। एलिजाबेथ जानता था! एलिजाबेथ रहस्य जानती थी! एलिजाबेथ ने कहा: जैसे ही आपके अभिवादन की आवाज मेरे कानों तक पहुंची, मेरे गर्भ में पल रहा बच्चा खुशी से उछल पड़ा। धन्य है वह जिसने विश्वास किया है कि एडोनाई उससे किए गए अपने वादों को पूरा करेगा (लूका १:४१-४५)! एलिजाबेथ ने मरियम को आश्वासन दिया कि स्वर्गदूत गेब्रियल द्वारा उसे बताया गया संदेश सच होगा। जब एलीशेवा ने ऐसा कहा, तो उसने मरियम के मन से सारे संदेह मिटा दिए।

An – मरियम का गीत लूका १: ४६-५६ | 2



बहुत खुशी हुई, खुशी की लहर ने मैरी के दिल को
भर दिया होगा। युवा लड़की अब परमेश्वर की इच्छा में अपनी भूमिका के बारे में नहीं सोचती थी, एलिजाबेथ ने इसकी पुष्टि की। जैसे ही वह अपने रिश्तेदार एलीशेवा के सामने खड़ी थी, शायद बाहें फैलाकर, आँखें बंद करके उसके चेहरे से आँसुओं की धारा बह रही थी, पवित्र आत्मा से भरकर उसने अनायास अपना गीत गाया। इन छंदों को पश्चिमी दुनिया में मैग्निफिकेंट के रूप में जाना जाता है, वल्गेट में खंड के पहले शब्द से, जेरोम के बाइबिल के लैटिन में अनुवाद ४०० ईस्वी के आसपास। ६६ यह ल्यूक में दर्ज चार गीतों में से पहला है, यहां मैरी द्वारा : ४६-६६, १:६८-७९ में जकर्याह, २:१४ में स्वर्गदूतों का एक समूह, और २:२९-३२ में शिमोन।

तीन महान विचार हैं जिन पर मरियम का गीत जोर देता है। सबसे पहले, वह परमेश्वर को धन्यवाद देती है कि उसने इस्राएल की एक विनम्र दासी पर इस तरह के असाधारण तरीके से अनुग्रह किया (लूका १:४६-५०)। मैरी ने गाना शुरू किया: मेरी आत्मा प्रभु की स्तुति करती है (लूका १:४६; १ शमूएल २:१; भजन संहिता ३४:२ और ३५:९; यशायाह ६१:१०)। यह स्पष्ट है कि मरियम का युवा हृदय और मन शास्त्रों से सराबोर था। उसने खुद को ईश्वर की सेवा करने वाले ईश्वरीय अवशेष के हिस्से के रूप में देखा। गीत मैरी की महिमा नहीं करता, बल्कि प्रभु की महिमा करता है। उसने न केवल हन्ना की दो प्रार्थनाओं (१ शमूएल १:११ और २:१-१०) के कुछ हिस्सों को शामिल किया, बल्कि टोरा, स्तोत्र और भविष्यवक्ताओं के कई अन्य संदर्भ भी शामिल किए। वह प्रशंसा के योग्य है।

मरियम ने जारी रखा: और मेरी आत्मा मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर में आनन्दित होती है (लूका १:४७; यशायाह १२:२ और ४५:२१)। केवल एक पापी को एक उद्धारकर्ता की आवश्यकता होती है। गीत में कोई संकेत नहीं है कि मैरी ने सोचा कि विशेषाधिकार उसे दिया गया था क्योंकि वह पाप रहित थी। हालाँकि, रोमन कैथोलिक चर्च सिखाता है कि मरियम खुद बिना पाप के पैदा हुई थी, कि अपने अस्तित्व के पहले क्षण से ही वह मूल पाप के दाग से मुक्त थी। यह मानता है कि जबकि बाकी सभी मानव जाति मूल पाप की विरासत में पैदा हुई है, अकेले मैरी को हाशेम के एक विशेष चमत्कार से छूट दी गई थी।

मूल डिक्री, या होली सी, इस सिद्धांत को स्थापित करते हुए, ८ दिसंबर, १८५४ को पोप

An – मरियम का गीत लूका १: ४६-५६ | 3

पायस IX द्वारा जारी किया गया था। उन्होंने लिखा, “हम घोषणा करते हैं, उच्चारण करते हैं और परिभाषित करते हैं कि सबसे धन्य कुमारी मरियम, उनकी गर्भाधान के पहले पल में थी मानव जाति के उद्धारकर्ता, यीशु मसीह के गुणों के आधार पर, सर्वशक्तिमान ईश्वर की विलक्षण कृपा और विशेषाधिकार द्वारा, मूल पाप के सभी दागों से बेदाग संरक्षित, और यह सिद्धांत परमेश्वर द्वारा प्रकट किया गया था, और इसलिए दृढ़ता से विश्वास किया जाना चाहिए और लगातार सभी विश्वासियों द्वारा” (पीपल बुल से, इनफैबिलस डेस, द टैबलेट में उद्धृत)।

पोप जॉन पॉल द्वितीय से कम नहीं ने मैरी के प्रति अपनी पूर्ण भक्ति की घोषणा की। उसने अपना पूरा परमधर्मपीठ उसे समर्पित कर दिया और उसके सभी पापल कपड़ों पर मैरी के लिए एक एम कढ़ाई की थी। उसने उससे प्रार्थना की, उसे अपने जीवन को बचाने का श्रेय दिया, और यहां तक कि रोमन कैथोलिक चर्च की देखभाल उसकी इच्छा पर छोड़ दी। रोम ने लंबे समय से मैरी की पूजा को बढ़ावा दिया है और उनके बारे में अंधविश्वास आज पहले से कहीं ज्यादा लोकप्रिय है। दुनिया भर के कैथोलिक चर्चों में मैरी को इतनी श्रद्धांजलि दी जाती है कि उनकी मां की पूजा से अक्सर मसीह की पूजा पूरी तरह से ढक जाती है।

परन्तु पवित्रशास्त्र स्पष्ट रूप से कहता है: सभी ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं और इसमें मरियम भी शामिल है (रोमियों ३:२३); क्योंकि जैसे एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया, और पाप के द्वारा मृत्यु आई, और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में आई, क्योंकि सब ने पाप किया है (रोमियों ५:१२); क्योंकि आदम में सब मरते हैं (प्रथम कुरिन्थियों १५:२२); यदि हम पाप रहित होने का दावा करते हैं, तो हम स्वयं को धोखा देते हैं और सत्य हम में नहीं है। . . यदि हम दावा करते हैं कि हमने पाप नहीं किया है, तो हम उसे झूठा बताते हैं और उसके वचन का हमारे जीवन में कोई स्थान नहीं है (प्रथम यूहन्ना १:८-१०); कोई धर्मी नहीं, एक भी नहीं (रोमियों ३:१०)। यह एक बार और सभी के लिए तय होना चाहिए कि एक आस्तिक को मरियम से प्रार्थना करनी चाहिए या नहीं। वह निश्चित रूप से एक बहुत ही धर्मपरायण महिला थी। लेकिन वह पापरहित नहीं थी। वह सिर्फ इंसान थी। तो उसके लिए रुच हाकोडेश से फिर से जन्म लेना और उसके बेटे द्वारा प्रदान किए गए छुटकारे में भाग लेना आवश्यक था।

तब मरियम ने तीन बार “के लिए” शब्द का प्रयोग किया, इस बात पर बल देते हुए कि वह एडोनाई की प्रशंसा “क्योंकि” परमेश्वर ने उसके लिए की थी। सबसे पहले, उसने गाया: “क्योंकि” वह अपने सेवक की विनम्र अवस्था के प्रति सचेत रहा है (लूका १:४८क; पहला शमूएल १:११; भजन संहिता १०२:७ और १३६:२३)। नौकर खुद मरियम थी। वह निम्न संपत्ति की थी, क्योंकि आर्थिक स्तर पर वह गरीबी के स्तर पर थी। लेकिन आर्थिक रूप से उसकी कम संपत्ति और नासरत में रहने के बावजूद, एक ऐसा शहर जिसकी प्रतिष्ठा खराब थी, फिर भी, हाशेम ने उसे अनुग्रह की दृष्टि से देखा था। यह एडोनाई का एक उद्देश्यपूर्ण निर्णय था, और वह कोई गलती नहीं करता है। उसका बच्चा भी इस विनम्र

An – मरियम का गीत लूका १: ४६-५६ | 4

अवस्था को साझा करेगा, जिसने परमेश्वर के स्वभाव में होने के कारण, परमेश्वर के साथ समानता को समझने के लिए कुछ नहीं माना, लेकिन खुद को कुछ भी नहीं बनाया, एक नौकर के स्वभाव को लेकर, मानवीय समानता में बनाया गया (फिलिप्पियों २) :६-७)।

दूसरे, मरियम ने गाना जारी रखा: “क्योंकि” देखो, अब से सभी पीि़ढयां मुझे धन्य कहेंगी (लूका १:४८ब ईएसवी; उत्पत्ति ३०:१३; मलाकी ३:१२)। उसने उस अनोखे विशेषाधिकार को पहचाना जो उसे मसीहा की माँ होने के कारण दिया जा रहा था, क्योंकि उसने देखा कि सभी पीढ़ियाँ उसे धन्य कहेंगी। हालाँकि, मरियम को किसी भी आंतरिक व्यक्तिगत मूल्य या उसकी ओर से पवित्रता के कारण धन्य नहीं कहा जाएगा, बल्कि उस बच्चे के कारण जिसे वह सहन करेगी। हम उसे देवी नहीं बनाते और उसके सामने घुटने नहीं टेकते, लेकिन हमें उसे धन्य कहने की जरूरत है। परमेश्वर के पुत्र की माता होना, उसे संसार में लाना उसका गौरवशाली सौभाग्य था। हमें इसे कम नहीं करना चाहिए, लेकिन न ही हमें इसे अलंकृत करना चाहिए। वह एक अद्भुत व्यक्ति थी, और यह कोई संयोग नहीं था कि उसे परमेश्वर ने चुना था।७१

तीसरा, “क्योंकि” उस पराक्रमी ने मेरे लिए बड़े बड़े काम किए हैं (लूका १:४९अ; भजन संहिता ७१:१९ और १२६:३)। जैसा कि व्यवस्थाविवरण १०:२१ में पुष्टि की गई है, परमेश्वर महान कार्य करता है। जबकि व्यवस्थाविवरण में इसका अर्थ है कि परमेश्वर ने इस्राएल के लिए अपने चमत्कारों को मिस्र से बाहर निकालने में काम किया, यहाँ सबसे बड़ी बात यह थी कि वह मेशियाच की माँ बनने जा रही थी, जो उसकी सेवकाई में नीचे वर्णित घटनाओं को लाएगा। .

और उसका नाम पवित्र है (लूका १:४९ब; पहला शमूएल २:२; यशायाह ५७:१५)। यह कहने का एक और तरीका है कि वह [परमेश्वर] पवित्र है। यहाँ हाशेम की पवित्रता केवल उसकी नैतिक पूर्णता को नहीं बल्कि उसके धार्मिकता और न्याय के कार्यों के लिए और भी अधिक संदर्भित करती है जिसके द्वारा वह इज़राइल के लिए अपनी वाचा की वादों को पूरा करता है। ७२ उसने अपने लोगों के लिए छुटकारे को प्रदान किया; उसने हमेशा के लिए अपनी वाचा को ठहराया – उसका नाम पवित्र और भयानक है (भजन संहिता १११:९)। नतीजतन, मिरयम की पूरी पूजा का कोई फायदा नहीं है और पूरी तरह से बाइबिल के समर्थन के बिना है। वास्तव में, यह पूरी तरह से बाइबल की शिक्षा के विपरीत है।

जो उसकी आराधना करते हैं और उसकी सेवा करते हैं, उन पर परमेश्वर हमेशा-हमेशा के लिए अपनी दया दिखाएगा (लूका १:५०; भजन संहिता १०३:११ और १७; यशायाह ५१:८)। उसने स्वीकार किया कि इस्राएल यहोवा की इस आशीष के योग्य नहीं था। वास्तव में, इस्राएल ने उससे मुंह मोड़ लिया था। व्यवस्थाविवरण २८ में, एडोनाई ने चेतावनी दी थी कि यदि लोग अवज्ञा में चले तो वे अन्यजातियों द्वारा अधीनता के द्वारा अनुशासित होंगे। उस समय रोम इस्राएल पर हावी था। परन्तु परमेश्वर ने यह भी वादा किया था कि यदि लोग उसकी ओर फिरे और अपने पापों को स्वीकार कर लें, तो वह आशीर्वाद में उनके पास लौट आएगा। तथ्य यह है कि अविश्वास की पीढ़ियों के बाद भी उसने

An – मरियम का गीत लूका १: ४६-५६ | 5

इज़राइल को इस आशीर्वाद से अलग नहीं किया था, उसके धैर्य और दया का प्रमाण दिया।

हमने जो किया है उसके कारण भगवान हमें नहीं बचाता है। दशमांश के साथ केवल एक दंडनीय देवता को खरीदा जा सकता था। केवल एक अहंकारी भगवान बिना दर्द के प्रभावित होंगे। यज्ञ से केवल मनमौजी देवता ही संतुष्ट हो सकते हैं। केवल एक हृदयहीन भगवान ही उच्चतम बोली लगाने वाले को मोक्ष बेच सकता है। और केवल एक महान परमेश्वर अपने बच्चों के लिए वही करता है जो वे अपने लिए नहीं कर सकते।

एडोनाई का आनंद समर्पण पर प्राप्त होता है, विजय पर नहीं। आनंद की ओर पहला कदम है मदद की गुहार, नैतिक अभाव को स्वीकार करना और आंतरिक अपर्याप्तता को स्वीकार करना। जो लोग यहोवा की उपस्थिति का स्वाद चखते हैं, उन्होंने आत्मिक दिवालियेपन की घोषणा कर दी है और वे अपने आध्यात्मिक संकट से अवगत हैं। उनकी जेब खाली है। उनके विकल्प खत्म हो गए हैं। उन्होंने न्याय की मांग करना बंद कर दिया है; वे दया की याचना कर रहे हैं।७४

दूसरे, वह अभिमानियों, अभिमानियों और आत्म-धर्मी लोगों का विरोध करने के लिए, और गरीबों, दीनों, यानी विनम्र पापियों की सहायता करने के लिए परमेश्वर की स्तुति करती है (लूका १:५१-५३)। तब मरियम उस काम में लगी रहती है जो उसका पुत्र करेगा। वह तनाख के भविष्यवक्ताओं के भावों का अनुसरण करते हुए यहां भूतकाल में बोलती है, जो अक्सर भविष्य की घटनाओं का वर्णन करने में भूत काल का उपयोग करते हैं, जिससे यह घोषित किया जाता है कि जो भविष्यवाणी की गई है वह निश्चित है जैसे कि वह पहले ही पूरी हो चुकी थी। उसने गाना जारी रखा: उसने अपनी भुजा से पराक्रमी कार्य किए हैं (लूका १:५१क; भजन संहिता ८९:१३ और ९८:१; यशायाह ५२:१०)। यशायाह ५३:१ में भविष्यद्वक्ता ने कहा: हमारे सन्देश की प्रतीति किसने की, और किस पर अदोनै का हाथ प्रगट हुआ? तब यशायाह तुरंत परमेश्वर के मेम्ने को प्रकट करना शुरू कर देता है जो संसार के पाप को उठा ले जाता है (यूहन्ना १:२९)। यहोवा ने अपनी भुजा की शक्ति दिखाई है, और उस ने हमें जो उद्धार दिया है, उस में अपनी शक्ति और प्रेम प्रकट किया है।७५

उसने उन लोगों को तितर-बितर कर दिया है जो अपने मन में घमण्ड करते हैं (लूका १:५१ब; भजन संहिता ८९:१०; उत्पत्ति ८:२१)। घमण्डी वे हैं जो परमेश्वर से नहीं डरते (लूका १:५०), जो भूखे नहीं हैं (लूका १:५३), या विनम्र नहीं (लूका १:४८ और ५२)। उनके अंतरतम विचार वस्तुतः हृदय हैं। लूका ने दीन गरीब और घमण्डी धनी के बीच के अंतर को समझा (लूका ६:२०-२६)। जाहिर है कि हमेशा ऐसा नहीं होता है, लेकिन अक्सर शासक अमीर होते हैं और विनम्र लोग गरीब होते हैं।

परमेश्वर अपने सभी शत्रुओं का नाश करेगा। उसने हाकिमों को उनके सिंहासनों से नीचे उतारा है, परन्तु दीनों को ऊपर उठाया है (लूका १:५२; पहला शमूएल २:६-८; अय्यूब ३४:२४)। शासकों की पहचान लूका १:५१ के अभिमानी और लूका १:५३ के धनी लोगों

An – मरियम का गीत लूका १: ४६-५६ | 6

से की जाती है। जब येशु अपने नए मसीहाई राज्य में शासन करने के लिए आएगा, तो वह दुनिया को उसके सिर पर चढ़ा देगा। परन्तु बहुत से जो पहले हैं, वे अंतिम होंगे, और जो अंतिम हैं वे पहले होंगे (मरकुस १०:३१)। मरियम को यीशु की माता के रूप में चुनने में नम्र लोगों को ऊपर उठाना सबसे आसानी से देखा जाता है। उसने भूखे को अच्छी वस्तुओं से तृप्त किया है, परन्तु धनवानों को खाली भेजा है (लूका १:५३; पहला शमूएल २:५; भजन संहिता ७२:११-१२; भजन संहिता ३४:१०, १०७:९ और १४१:६)। जैसा कि तनाख में अक्सर होता है, ADONAI के भविष्य के कृत्यों को पहले से ही पूरा माना जाता है।

लूका १:५२-५३ में हम ए-बी-बी-ए फैशन में कायास्मिक समानता का एक उदाहरण पाते हैं।

A. उसने शासकों को उनके सिंहासनों से नीचे उतारा है

B. लेकिन विनम्र उठा लिया है

b. उस ने भूखे को अच्छी वस्तुओं से भर दिया है

a. लेकिन अमीरों को खाली भेज दिया है

तीसरा, मैरी ईश्वर के नाम की महिमा करती है क्योंकि वह इब्राहीम की वाचा के वादों को पूरा करता है जो उसने इज़राइल के राष्ट्र के लिए बनाई थी। ७६ जबकि ईश्वर ने इजरायल को उसकी अवज्ञा के कारण आशीर्वाद के स्थान से हटा दिया था, वह बना रहा था उनकी वाचा के प्रति वफादार (उत्पत्ति Dt पर मेरी टिप्पणी देखें – मैं उन्हें आशीर्वाद दूंगा जो आपको आशीर्वाद देते हैं और जो आपको शाप देते हैं मैं उन्हें शाप दूंगा)। यह इस्राएल की आशा और आने वाले मसीहा की उसकी अपेक्षा की नींव थी। उसने अपने सेवक इस्राएल की मदद की है, यह याद करते हुए कि वह अब्राहम और उसके वंश पर हमेशा के लिए दया करता था, जैसा उसने हमारे पूर्वजों से वादा किया था (लूका १:५४-५५; निर्गमन २:२४; भजन संहिता ९८:३; यशायाह ४४:२१; मीका ७:२०; भजन संहिता १०५:६)। जन्म-कथाएँ अक्सर आने वाले मेशियाच को विभिन्न यहूदी वाचाओं से जोड़ती हैं। उसने स्वीकार किया कि उसका पुत्र वही होगा जिसमें और जिसके माध्यम से, एडोनाई ने इब्राहीम और उसके वंशजों से वादा किया था कि सभी आशीर्वाद उसके लोगों को मिलेंगे।

जो लोग मरियम से प्रार्थना करते हैं उनके लिए अच्छा होगा कि वे मरियम के गीत के उदाहरण से सीखें। केवल ईश्वर ही ऊपर उठा हुआ है। ध्यान दें कि कैसे उसने बार-बार अपनी दीनता को स्वीकार करते हुए उसकी महिमा और महिमा की प्रशंसा की। उसने अपने आप में कुछ भी अच्छा होने का कोई श्रेय नहीं लिया। परन्तु उसने यहोवा के गुणों के कारण उसकी स्तुति की, और उसकी शक्ति, उसकी दया और उसकी पवित्रता का नाम लिया। उसने हाशेम को स्वतंत्र रूप से स्वीकार किया कि उसने उसके लिए महान कार्य किए थे,

An – मरियम का गीत लूका १: ४६-५६ | 7

न कि इसके विपरीत। यह गीत परमेश्वर की महानता, उसकी महिमा, उसकी भुजा की शक्ति और पीढ़ियों में उसकी विश्वासयोग्यता के बारे में है।

यह उस व्यक्ति की प्रार्थना नहीं थी जिसने दावा किया कि वह मूल पाप से रहित है। इसके विपरीत, यह उस व्यक्ति की प्रार्थना थी जो परमेश्वर को अपने उद्धारकर्ता के रूप में जानता था। वह इस तथ्य का जश्न मना सकती थी कि एडोनाई की दया उन लोगों पर है जो उससे डरते हैं, क्योंकि वह खुद उससे डरती थी और उसकी दया प्राप्त करती थी। और वह पहिले से जानती थी, कि यहोवा किस रीति से दीनोंको जिलाता, और भूखोंको अच्छी वस्तुओं से तृप्त करता है, क्योंकि वह आप ही दीन पापी थी, जो धर्म का भूखा और प्यासा था, और तृप्त हो गया।७७

उन दोनों ने सबसे अधिक गले लगाया और मैरी शायद जानती थी कि रुच हाकोडेश ने उसके द्वारा गाए गए शब्दों को प्रेरित किया था। युवती लगभग तीन महीने तक एलीशेवा के साथ रही। तब शायद उसके माता-पिता ने उसे संदेश भेजा कि उसे घर (१:५६) आना चाहिए और उसकी शादी की तैयारी करनी चाहिए। आह येस । . . शादी। वह तीन महीने की गर्भवती थी और फिर भी उसकी शादी नहीं हुई थी, हालाँकि उसने यूसुफ से सगाई कर ली थी। एलिजाबेथ अब मरियम के पूर्ण विश्वास का आनंद ले रही थी और इसका कारण यह है कि उन दोनों को आश्चर्य हुआ कि क्या योसेफ को मैरी की गर्भावस्था के बारे में पता था। यह महत्वपूर्ण था कि वह जानता था कि क्या होने वाला है और उसे समझना है। वह अग्रदूत योचनन बप्तिस्मा देनेबाला के जन्म से ठीक पहले चली गई।